गोरखपुर से प्रकाशित

Title Code: UPBIL05289

स्वदेशी इनक्रेडिबल

द्विभाषी (साप्ताहिक)

वर्ष–1 अंक–8 | गोरखपुर, रविवार 13 अगस्त 2023 | पृष्ठ–8 | मूल्य–2 रूपया

ये लोग चांदी के चम्मच में खाने के आदी, गरीब की पीड़ा नहीं समझेंगे : योगी

लखनऊ(संवाददाता)। विधानसभा के मानसून सत्र के चौथे और अंतिम दिन नेता सदन और मुख्यमंत्री योगी आदित्यानाथ ने अखिलेश यादव पर

तंज कसते हुए कहा कि ये लोग चांदी के चम्मच में खाने के आदी हैं और जो लोग चांदी के चम्मच में खाने के आदी होते हैं वो गरीब, किसान, दलित की पीड़ा को क्या समझेंगे?उन्हें जमीनी हकीकत की जानकारी नहीं है।सीएम योगी ने कहा कि विपक्ष अपनी विफलता को छुपाने के लिए, अब गरीबों को जो सरकारी आयुष्मान के कारण सुविधा मिल रही है वो नहीं दिखाई दे रही है। हमें विरासत में एक जर्जर व्यवस्था मिली थी उसे ठीक करने में समय तो लगता है। योगी ने विपक्ष पर तंज कसा कि 2024 में आपका खाता भी नहीं खुलने वाला है। 24 में फिर से डबल इंजन की सरकार आने वाली है। शिवपाल जी मैं कह रहा हूं आपके पास भी मौका है आपना रास्ता चुन लीजिए। नेता सदन सीएम योगी ने कहा कि खासतौर पर उत्तर प्रदेश के अंदर आज के दिन हम देखेंगे तो 15 से 20 जून के अंदर मानसून प्रवेश कर जाता था, हमारे अन्नदाता उसके हिसाब से ही तैयारी करते हैं। इस वर्ष मानसून की जो स्थिति है वो प्रदेश के अनुकूल नहीं है। आज आध ा उत्तर प्रदेश ऐसा है जहां काफी कम बारिश हुई है। ये स्थिति उत्तर प्रदेश के लिए पश्चिम के कुछ जिलों में अतिरिक्त पानी की बात सामने आई है लेकिन वह स्थिति भी ठीक नहीं है। हम लोग किसी भी स्थिति में इसे नजरअंदाज नहीं कर सकते। हमने इसके लिए मीटिंग की और इस पर रणनीति बनाई। योगी ने कहा कि बाढ़ के कारण फसलों को जो नुकसान पहुंचा उसके आकलन का कार्य चल रहा है। उत्तर प्रदेश, देश का ऐसा भूभाग है जहां का एक बड़ा हिस्सा सिंचाई की सुविधाओं के लिए अनुकूल है। धान की नर्सरी लग चुकी है। सरकार अपने स्तर पर इस पर काम कर रही है। सरकार अपने स्तर पर प्रयास कर रही है कि हम अधिक से अधिक किसानों को मदद कर सकें। किसानों को मुआवजा देने की कार्रवाई को प्रारंभ कर दिया गया। 61320 किसानों को मुआवजा उपलब्ध कराया गया। प्रदेश सरकार ने इससे पहले भी किसानों को मुआवजा उपलब्ध कराया। यूपी विधानसभा मानसून सत्र के आखिरी दिन सदन में बोलते हुए सीएम योगी ने विपक्ष के सवालों का बेबाकी से जवाब दिया। सीएम योगी ने अखिलेश के सांड वाले हमले का जवाब देते हुए कहा, आपके पसंदीदा सांड का हम नंदी के रूप में पूजा करते हैं। इस बीच योगी ने शिवपाल की ओर इशारा करते हुए कहा, आप समझाते क्यों नहीं हो। शुक्रवार को सदन में अखिलेश यादव पर बरसते हुए सीएम योगी ने कहा, 2017 में जब यूपी में भाजपा की सरकार बनी तो उन्हें एक जर्जर व्यवस्था मिली थी। इसे ठीक करने में समय लगेगा। सदन में बैठे लोगों को सीएम योगी ने विश्वास दिलाया कि डबल इंजन की सरकार के प्रति जनता का विश्वास बढ़ा है। 2017 के बाद स्वास्थ्य व्यवस्था बेहतर हुई है, यूपी के अस्पतालों में बढ़ रही भीड़ इस बात का प्रमाण है। अखिलेश पर हमलावर हुए सीएम योगी ने कहा, 2017 से लगातार चुनाव हार रही है। 2024 में सपा का खाता भी नहीं खुलेगा। डबल इंजन की सरकार फिर से रिपीट करेगी। शिवपाल को देखते हुए सीएम योगी बोले, चच्चू अभी से रास्ता तय कर लो अपना, ये आपके साथ न्याय नहीं करेंगे। जब भी आप का नंबर आता है आपको चुपचाप काट दिया जाता है। अपने मित्र से कुछ तो सीखना चाहिए। सीएम योगी ने कहा, ये सरकार पहली सरकार है जिस सरकार ने अन्नदाता किसानों के हित में दो अन्य महत्वपूर्ण कदम उठाए थे। अखिलेश की ओर देखते हुए सीएम योगी बोले, भाजपा सरकार में सर्प दंश से और आपके पसंदीदा सांड से मरने वालों को भी आपदा घोषित किया गया है। अखिलेश के सांड वाले सवाल पर सीएम योगी बोले–हमारे लिए सांड प्रिय हैं, नंदी के रूप में पूजा करते हैं, शिवपाल जी आप नहीं करते हैं क्या, कुछ तो समझाया करो।उन्होंने कहा, सर्पदंश, वन्यजीव, सांड से मारने पर सभी को आपदा की श्रेणी में घोषित करने वाला यूपी पहला राज्य बना है। इसको लेकर योगी ने अखिलेश पर तंज कसते हुए कहा, आपको अवसर नहीं मिल पाया। आपको जनता ने इस लायक नहीं समझा कि आप ये सब कर सकें। वन्यजीवों पर बोलते हुए सीएम योगी ने बताया, उनकी सरकार में बाढ़ वाले क्षेत्रों में 20 तेंदुए को निकालकर उन्हें रेस्क्यू किया गया है, इसके लिए छह टीमें भी काम कर रही हैं। उन्होंने कहा, हम किसान को सुरक्षा भी देंगे लेकिन वन्य जीवों को सुरक्षित स्थान पर पहुंचाने का काम भी करेंगे। वन विभाग के लोग भी इसके लिए कैंप कर रहे हैं। यूपी में प्रधानमंत्री आवास योजना को लेकर सीएम योगी ने अखिलेश को सदन में घेरा। सीएम योगी बोले–नेता विरोध ी दल से पूछना चाहता हूं कि उनकी सरकार में लाभान्वित 55 लाख लोगों को प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ क्यों नहीं मिला? ये पीडीए के फाल्ट नहीं हैं क्या? इसलिए क्योंकि वह दलित थे गरीब थे। सीएम योगी ने कहा, प्रदेश में भाजपा सरकार आने के बाद 2017 से अब तक इन सभी लाभान्वितों को आवास दिलाए गए हैं।

एनसीपी नेता नवाब मलिक को सुप्रीम कोर्ट से मिली जमानत

नयी दिल्ली (एजेन्सी)। सुप्रीम कोर्ट ने मनी लॉन्ड्रिंग केस में शुक्रवार को महाराष्ट्र के पूर्व मंत्री नवाब मलिक को चिकित्सा आधार पर दो महीने की अंतरिम जमानत दे दी। धनशोधन मामले में बंबई हाईकोर्ट ने 13 जुलाई को नवाब मलिक को इलाज आधार पर जमानत देने से इनकार कर दिया था।

हाईकोर्ट के आदेश के खिलाफ उन्होंने शीर्ष अदालत का रुख किया था। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) धनशोधन मामले की जांच कर रहा है। जस्टिस अनिरुद्ध बोस और जस्टिस बेला एम त्रिवेदी की पीठ ने कहा कि मलिक गुर्दे की बीमारी और अन्य बीमारियों के कारण अस्पताल में हैं, इसलिए उन्हें चिकित्सा आधार पर अंतरिम जमानत दी जाती है। जस्टिस अनिरुद्ध बोस और बेला एम त्रिवेदी की पीठ ने कहा, '' हम मामले में सख्ती से चिकित्सा आधार पर मलिक को जमानत देने का आदेश पारित कर रहे हैं। ईडी ने भगोड़े गैंगस्टर दाऊद इब्राहिम और उसके सहयोगियों की गतिविधियों से कथित तौर पर संबद्ध मामले में नवाब मलिक को फरवरी 2022 में गिरफ्तार किया था।नवाब मलिक का पक्ष रख रहे कपिल सिब्बल ने कोर्ट में कहा कि उनके खिलाफ शिकायत दर्ज की गई है। ऐसे में मुझे समझ नहीं आता कि मलिक को अंदर रखने की आवश्यकता क्यों है? सिब्बल ने आगे कहा कि मलिक का पिछले 16 महीने से किडनी एलाइनमेंट के चलते इलाज चल रहा है।ईडी की ओर से सुप्रीम कोर्ट में

अखिल भारती बारी संघ राष्ट्रीय अधिवेशन में मुख्य अतिथि उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक का जोरदार

लखनऊ।सर्वप्रथम वीर शिरोमणि रूपन बारी जी को माल्यार्पण करके अधिवेशन का संचालन वीर राज किशोर बारी लखनऊ ने किया गया। इस अवसर पर महाराष्ट्र, झारखंड, मध्य प्रदेश, बुंदेलखंड, बिहार, एवं उत्तर प्रदेश से बारी समाज के द्वारा मतदान में भाग लिया गया अखिल भारतीय बारी संघ के द्वारा चुनाव अधिकारी नियुक्त किया गया बिहार से पुलिस विभाग से सेवानिवृत्त श्री जगदीश रहुत बारी मध्य प्रदेश सतना से वरिष्ठ श्री राम आधार बारी अमरपाटन सतना महाराष्ट्र से श्री राम कृष्ण बारी तीनों अधिकारियों के द्वारा वैलेट पेपर से वोट कराए गए इस अवसर पर पूर्व राष्ट्रीय अध यक्ष विक्रमा राम बारी गाजीपुर उपस्थित हुए तथा उनकी देखरेख में चुनाव की प्रक्रिया पूरी की गई राष्ट्रीय अध्यक्ष पद के दो उम्मीदवार राष्ट्रीय महामंत्री पद के दो उम्मीदवार मैं अपना नामांकन करा कर पर्चा दाखिल किया 3रू00 बजे से वायलेट पेपर मतदान शुरू किया गया 5रू00 बजे तक मतगणना पूरी कर ली गई जिसके बाद गिनती प्रारंभ की गई शाम 6रू00 बजे तक राष्ट्रीय अध्यक्ष पद के उम्मीदवार श्री दिनेश बारी विजई घोषित हुए राष्ट्रीय महामंत्री पद पर श्री राम लखन बारी कानपुर विजई हुए इस अवसर पर बारी समाज के सभी लोगों ने माला पहना कर बारी समाज के नए राष्ट्रीय अध्यक्ष का स्वागत व अभिनंदन किया मुख्य रूप से उपस्थित महाराष्ट्र से मंगला ताई बारी भरत बारी श्री रामकृष्ण बारी एवं अखिल भारतीय बारी संघ के सभी लोगों ने अपनी भागीदारी सुनिश्चित की।

सम्पादकीय.....

कैसे बचेगा लोकतंत्र

क्या मोदी सरकार के लिए लोकतंत्र, संविधान की व्यवस्थाओं, सर्वोच्च न्यायालय के फैसलों की कोई अहमियत नहीं है। क्या मोदी सरकार हर उस फैसले को बदलेगी या पलटेगी, जिससे उसकी सत्ता पर कोई आंच आ सकती है। क्या देश पर 50 सालों तक शासन करने की अपनी महत्वाकांक्षा को पूरा करने के लिए सरकार संवैधानिक संस्थाओं को अपनी कठपुतली बनाने में जरा भी नहीं झिझकेगी। ये सारे सवाल दरअसल मानसून सत्र के दौरान आई एक खबर की उपज हैं। वैसे तो इस बार का मानसून सत्र मणिपुर मुद्दे पर हंगामे, राहुल गांधी की संसद में वापसी और सबसे अधिक मोदी सरकार के खिलाफ लाए गए अविश्वास प्रस्ताव के कारण खबरों में रहा है। लेकिन इन खबरों के शोर में कई जरूरी विधेयक सरकार ने आनन–फानन में पारित करवा लिए, इसकी खबर ही नहीं हुई। अब खबर आई है कि सुप्रीम कोर्ट की संविधान पीठ के निर्णय का उल्लंघन करते हुए मोदी सरकार चुनाव आयोग पर पूर्ण कब्जे की तैयारी में है। दरअसल 2024 के चुनाव से पहले मुख्य चुनाव आयुक्त की नियुक्ति की शक्ति अपने हाथ में लेने के लिए सरकार नया विधेयक ला रही है। प्रस्तावित विधेयक में मुख्य चुनाव आयुक्त और आयुक्तों की नियुक्ति प्रक्रिया के पैनल से मुख्य न्यायाधीश का नाम हटाया गया है। विधेयक में तीन सदस्यीय पैनल में प्रधानमंत्री, विपक्ष के नेता और सरकार के एक मनोनीत मंत्री हैं, मतलब साफ है कि मोदी सरकार मुख्य चुनाव आयुक्त और आयुक्तों की नियुक्ति का संतुलन पूरी तरह अपने पक्ष में करना चाहती है। जबकि इससे पहले शीर्ष अदालत ने मार्च 2023 में कहा था कि मुख्य चुनाव आयुक्त और आयुक्तों की नियुक्तिराष्ट्रपति द्वारा प्रधानमंत्री, नेता प्रतिपक्ष और भारत के मुख्य न्यायाधीश की समिति की सिफारिश पर की जाएगी। न्यायमूर्ति केएम जोसेफ की अध्यक्षता वाली 5 न्यायाधीशों की संविधान पीठ ने एक सर्वसम्मत फैसले में कहा था कि यह मानक तब तक लागू रहेगा जब तक कि इस मुद्दे पर संसद द्वारा कानून नहीं बनाया जाता। लेकिन सरकार के इस ताजा कदम से यही अंदेशा होता है कि अब चुनाव आयोग जैसी महत्वपूर्ण संस्था को मोदी सरकार अपने इशारों पर चलाने की बदनीयत रखती है। इससे पहले प्रवर्तन निदेशालय यानी ईडी और सीबीआई जैसी जांच एजेंसियों के दुरुपयोग के आरोप मोदी सरकार पर सैकड़ों बार लगे। सरकार के पास इन्हें नकारने के लिए कोई संतोषजनक जवाब हैं भी नहीं। वैसे भी मोदी सरकार में जवाबदेही की परंपरा खत्म हो चुकी है। यहां सवाल के बदले या तो आरोप लगाए जाते हैं या फिर पुरानी बातों को उखाड़ कर नए सिरे से पेश किया जाता है। मणिपुर की गंभीर समस्या पर देश देख रहा है कि किस तरह सरकार जवाब देने में आनाकानी करती रही, प्रधानमंत्री मोदी संसद में आने से बचते रहे तो मजबूरन इंडिया को अविश्वास प्रस्ताव लाना पड़ा। मंगलवार से अविश्वास प्रस्ताव पर चर्चा शुरू हुई और प्रधानमंत्री मोदी गुरुवार को संसद पहुंचे। उन्हें गुमान है कि बहुमत के कारण उनकी सरकार का कोई बिगाड़ नहीं हो सकता। लेकिन जिस पद पर वे बैठे हैं, वहां उन्हें बिगाड़ से ज्यादा ईमान की फिक्र करना चाहिए।प्रधानमंत्री से पहले उनकी सरकार के बाकी मंत्री अविश्वास प्रस्ताव पर जो कुछ कहते रहे, उसमें मणिपुर की बात कम और अपनी सरकार की, प्रधानमंत्री की वाहवाही अधिक थी। क्या इस देश के लोगों ने भाजपा को बहुमत इसलिए दिया था कि वह देश में शांति और स्थिरता की बात छोड़कर अपनी तारीफें करती रहे। क्या भाजपा को या नरेन्द्र मोदी को अपने कामों पर इतना भरोसा नहीं है कि तारीफ का जिम्मा वो जनता पर छोड़ दें। 2014 के बाद 2019 में भी जनता को लगा कि भाजपा ही देश के लिए ठीक है, प्रधानमंत्री की कुर्सी पर फिर से नरेन्द्र मोदी को ही बैठना चाहिए तो उसने फिर से भाजपा के पक्ष में वोट किया। अब 2024 की बारी है। लेकिन अब शायद नरेन्द्र मोदी और भाजपा का विश्वास डगमगाने लगा है। इसलिए प्रधानमंत्री संसद में आने से कतराते रहे, विपक्ष के सवालों का सामना करने से बचते रहे। और अब ऐसा विधेयक लाने जा रहे हैं, जिससे निष्पक्ष चुनाव की संभावनाएं ही खत्म हो जाएंगी। चुनाव आयुक्त की नियुक्ति में पारदर्शिता और निष्पक्षता रहे, इसलिए शीर्ष अदालत ने प्रधानमंत्री और नेता प्रतिपक्ष के अलावा भारत के मुख्य न्यायाधीश के नाम को समिति में रखना तय किया था। इससे चयन प्रक्रिया में जरूरी संतुलन बना रहता। मगर अब तो यह फैसला एकतरफा ही रहेगा। अगर विधेयक कानून बन गया तो नेता प्रतिपक्ष समिति में अकेला पड़ जाएगा, क्योंकि प्रधानमंत्री के साथ उनकी कैबिनेट का कोई मंत्री समिति में शामिल होगा। इस तरह नेता प्रतिपक्ष के फैसले का कोई महत्व ही नहीं रहेगा। यूं भी अब पंच परमेश्वर वाला जमाना तो रहा नहीं, जहां फैसला करने की आसंदी पर बैठे इंसान से पूरी निष्पक्षता की उम्मीद की जाए। केबिनेट मंत्री हर हाल में प्रधानमंत्री की राय के साथ ही जाएगा, नेता प्रतिपक्ष के साथ नहीं। इस विधेयक के जरिए मोदी सरकार ने अपनी मनमानी प्रवृत्ति को खुलकर जाहिर कर दिया है। सरकार के इस रवैये से अब डरने और सावधान होने की जरूरत है। क्योंकि अब तक लोकतंत्र के नाम पर जो थोड़ी बहुत पर्देदारी थी, वो सब खत्म हो चुकी है। सरकार अपने इरादों को सरेआम प्रकट कर रही है। अब इसके बाद एक ही चीज बची है। सरकार एक ऐसा विधेयक और ले आए, जिसमें केवल चुनाव आयुक्त ही नहीं, भारत के मुख्य न्यायाधीश, नेता प्रतिपक्ष, राज्यों के मुख्यमंत्री सब का चयन सरकार ही करेगी और ये फैसला भी सरकार लेगी कि कौन वोट देगा, कौन नहीं। इसके बाद लोकतंत्र की जननी जैसे जुमलों की जुगाली की कोई जरूरत नहीं पड़ेगी। लोकतंत्र किस चिड़िया का नाम है, ये भी लोग भूल ही जाएंगे। वैसे भी लोगों की याददाश्त अब कुंद हो चुकी है। 9 साल पहले किए गए वादों का हिसाब जब जनता नहीं ले रही तो लोकतंत्र के बारे में प्रधानमंत्री ने कब, क्या कहा, ये भी क्यों याद रखेगी। वैसे कांग्रेस ने इस विधेयक का पुरजोर विरोध किया है। के सी वेणुगोपाल ने कहा है कि चुनाव आयोग को पूरी तरह से प्रधानमंत्री के हाथों की कठपुतली बनाने का प्रयास है।

अवैध शराब निर्माण व सामूहिक दूष्कर्म करने वाले गैंग के 06 अपराधियों के विरुद्ध गैंगेस्टर एक्ट के तहत की गयी कार्यवाही

गोरखपुर (संवाददाता)। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जनपद गोरखपुर द्वारा अपराधों पर अंकुश लगाने एवं अपराधियों की गिरफ्तारी हेतु चलाये जा रहे अभियान के क्रम में, पुलिस अधीक्षक उत्तरी गोरखपुर के मार्गदर्शन में एवं क्षेत्राधिकारी कैम्पियरगंज गोरखपुर के पर्यवेक्षण में व थानाध्यक्ष रतन कुमार पाण्डेय थाना गीडा जनपद गोरखपुर द्वारा अपराधी प्रदुम्न निषाद पुत्र पहलू निषाद निवासी कठऊर थाना रामगढताल जनपद गोरखपुर जिसका एक विधि विरूद्ध गैंग है, के विरूद्ध गैंगेस्टर एक्ट के तहत कार्यवाही की गई । उक्त गैंग का लीडर प्रदुम्न स्वयं है तथा अपने गैंग के सदस्यों 1. भेली उर्फ आकाश पुत्र स्व0 सुरज निवसी अमरुद मण्डी थाना राजघाट जनपद गोरखपुर 2. छोलई उर्फ परमात्मा निवासी कठऊर थाना रामगढ़ताल जनपद गोरखपुर 3. तारकेश्वर पुत्र गुरुदेव निवासी ग्राम कठऊर थाना रामगढताल जनपद गोरखपुर 4. दिनेश निषाद पुत्र अंगद निषाद निवासी बहरामपुर दक्षिणी थाना गीडा जनपद गोरखपुर 5. विपिन निषाद पुत्र पूर्णवासी निवासी बरहुआ थाना गीडा जनपद गोरखपुर का एक संगठित गिरोह है, जो स्वयं व अपने गिरोह के सदस्यों के साथ आर्थिक, भौतिक, दुनियावी व अन्य लाभ प्राप्त करने के उद्देश्य से सामूहिक रूप से एक संगठित गिरोह बनाकर थाना क्षेत्र व अन्य थाना क्षेत्रो मे मारपीट, हत्या, अवैध शराब निर्माण व सामूहिक दूष्कर्म जैसे अपराध कारित किये है । गिरोह के सरगना एवं सदस्यों का सामान्यतः जन मानस में भय एवं आतंक व्याप्त है जिसके कारण गिरोह के सरगना एवं इसके सदस्यों को स्वतंत्र विचरण करने से रोकने एवं अपराध पर लगाम लगाने हेतु जिला मजिस्ट्रेट गोरखपुर द्वारा अनुमोदित गैंग चार्ट प्राप्त कर थाना गीडा पर गैंगेस्टर की प्रभावी कार्यवाही करते हुए गैंग लीडर प्रदुम्न निषाद पुत्र पहलू निषाद निवासी कठऊर थाना रामगढताल जनपद गोरखपुर एवं गैंग के अन्य सहअभियुक्तों के विरुद्ध मु0अ0सं0 484ध्2023 धारा 3(1) उत्तरप्रदेश गिरोहबन्द समाज विरोधी क्रियाकलाप निवारण अधिनियम– 1986 पंजीकृत किया गया ।

चोरी करने के आरोप में 05 अभियुक्त गिरफ्तार

गोखरपुर। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जनपद गोरखपुर द्वारा चोरी के अपराधों पर अंकुश लगाने एवं अपराधियों की गिरफ्तारी हेतु चलाए जा रहे अभियान के क्रम में, पुलिस अधीक्षक उत्तरी के मार्गदर्शन में, क्षेत्राधिकारी कैम्पियरगंज के पर्यवेक्षण में थानाध्यक्ष कैम्पियरगंज के नेतृत्व में, उ0नि0 दिनेश साहनी मय टीम द्वारा थाना स्थानीय पर पंजीकृत मु0अ0सं0 629ध्22 धारा 379ध्411 भादस, मु0अ0सं0 557ध्23 धारा 379ध्411ध्420ध्468ध्471 भादस, मु0अ0सं0 558ध्23 धारा 379ध्411ध्420ध्468ध्471 भादसं0 व मु0अ0सं0 559ध्23 धारा 41ध्411ध्413ध्414ध्420ध्468ध्471 भादस से संबंधित वाँछित अभियुक्तगण 1.अनुज उर्फ प्रिंस पुत्र रामजीत निवासी लक्ष्मीपुर मुजरी थाना पनियरा जनपद महाराजगंज, 2.अमन उर्फ मनि उर्फ बाबू लोहार पुत्र जितेन्द्र विश्वकर्मा निवासी गाँधीनगर वार्ड नं016 पिपरदेउरा थाना कोतवाली महाराजगंज जनपद महाराजगंज को चोरी की एक अदद मोटरसाइकिल के साथ गिरफ्तार किया गया एवं अभियुक्तगण उपरोक्त की निशानदेही पर अभियुक्तगण 3. सोनू उर्फ दुर्गेश जायसवाल पुत्र प्रकाश चन्द्र जायसवाल निवासी भौराबारी थाना कैम्पियरगंज जनपद गोरखपुर, 4. श्रवण पुत्र प्रहलाद पासवान निवासी ग्राम राम नगर थाना पनियरा जनपद महराजगंज व 5.दुर्गा जायसवाल पुत्र प्रकाश चन्द्र जायसवाल निवासी भौराबारी थाना कैम्पियरगंज जनपद गोरखपुर आदि के कब्जे से 09 अदद मोटर साईकिल, दो अदद चेचिस , एक अदद इन्जन, दो अदद चाभी, 3 अदद साईलेन्सर, 4 अदद मोबाईल व जामातलाशी से 900 रुपया बरामद करते हुए गिरफ्तार किया गया । अग्रिम विधिक कार्यवाही की जा रही है ।

कब्जे से 10 अदद मोटर साईकिल, दो अदद चेचिस एक अदद इन्जन, दो अदद चाभी, 3 अदद साईलेन्सर, 4 अदद मोबाईल, 900 रुपया बरामद

प्रकरण का संक्षिप्त विवरण– अभियुक्त अनुज उर्फ प्रिंस उपरोक्त एवं अमन उर्फ मनि उर्फ बाबू लोहार उपरोक्त द्वारा थाना कैम्पियरगंज क्षेत्र से मोटरसाइकिलों की चोरी कर अभियुक्त सोनू उर्फ दुर्गेश पुत्र प्रकाश चन्द्र जायसवाल उपरोक्त के भौराबारी कैम्पियरगंज जनपद गोरखपुर में स्थित गैराज, श्रवण पुरत्र प्रहलाद पासवान उपरोक्त के मजुरी थाना पनियरा जनपद महाराजगंज में स्थित गैराज व दुर्गा जायसवाल पुत्र प्रकाश चन्द्र जायसवाल उपरोक्त के धनखरी थाना पनियरा जनपद महाराजगंज में स्थित गैराज में बेच दिया जाता था, जहां अभियुक्तगण द्वारा मोटरसाइकिलों को मोडिफाई कर अथवा उनका पार्ट अलग अलग कर व चेचिस नम्बर मिटाकर बेच दिया जाता था ।

२० ग्राम हेरोइन के साथ युवक गिरफ्तार

महराजगंजफनौतनवा। मादक पदार्थों के रोकथाम हेतु चलाए जा रहे अभियान के तहत एसएसबी और पुलिस की संयुक्त टीम ने गस्त के दौरान नौतनवा गैस गोदाम के पीछे संदिग्ध रूप में गुम रहे एक युवक को रोककर तलाशी ली द्य जिसके दौरान युवक के पास से 20 ग्राम हेरोइन बरामद हुई द्यपकड़े गए युवक की पहचान शाहरुख खान निवासी वार्ड नं 10 शास्त्री नगर थाना नौतनवा के रूप में हुई द्य नौतनवा प्रभारी निरीक्षक मनोज कुमार राय ने बताया पकड़े गए आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत कार्यवाही करते हुए जेल भेज दिया गया इस दौरान कस्बा प्रभारी ओम प्रकाश गुप्ता,हेड कांस्टेबल दुर्गेश कुमार उपाध्याय,कांस्टेबल अमित यादव, कांस्टेबल अभय कुमार सिंह,एसएसबी असिस्टेंट कमांडेंट सुबीर घोष सहित अन्य एसएसबी जवान मौजूद रहे।

विश्व वरेण्य टैगोर को स्मरण करना साहित्यिक के महासागर में डूबकी लगाना है -डा रुप

गोरखपुर । विश्व कवि रवींद्रनाथ टैगोर जी की पुण्यतिथि पर आध

ाारशिला परिवार के तत्वावधान में एक श्रद्धांजलि सभा का आयोजन हुमायूंपुर उत्तरी में किया गया।

इस अवसर पर संस्थाध्यक्ष डा रुप कुमार बनर्जी , संरक्षक डा ए के सिंह , उपाध्यक्ष डा. प्रशान्त चटर्जी , सचिव दीपक चक्रवर्ती निशांत ,बंगाल से पधारी मुकुल गुप्ता , पार्षद श्रीमती रंजुला रावत, रंगकर्मी तमाल आचार्य,भाजपा नेता राधेश्याम रावत,दिब्येंदु बराट ने रवीन्द्रनाथ टैगोर के चित्र पर माल्यार्पण एवं पुष्पांजलि अर्पित किया ।

श्रीमती नुपुर बराट ,श्रीमती प्रतिमा चक्रवर्ती एवं श्रीमती पापिया बराट ने रवीन्द्रनाथ टैगोर को स्मरण करते हुए अपने मधुर कंठ से रवीन्द्र संगीत प्रस्तुत किया।

अध्यक्ष डा रुप ने कहा कि रवीन्द्रनाथ टैगोर को स्मरण करना साहित्यिक के महासागर में गोता लगाने के समान है आज इस अवसर पर उनको पुष्पांजलि अर्पण करते हुए मैं अपने को धन्य समझता हूं ।

पार्षद श्रीमती रंजुला रावत ने कहा कि गुरुदेव की प्रतिभा चौमुखी थी उनके बारे में अल्प शब्दों में कुछ कहना कठीन है। सचिव दीपक चक्रवर्ती निशांत ने कहा कि विश्व वरेण्य टैगोर जी का काव्य और साहित्य जगत विशाल और अनमोल है ।तमाल आचार्य ने कहा कि रवीन्द्रनाथ कुशल नाट्यकार और अभिनेता भी रहे ।

इस दौरान द्वारिका प्रसाद मौर्या सारिका राय, कृष्णा नंदन पांडे,विनय कुमार शर्मा अनीता शुक्ला , विरेन्द्र कुमार पाल (बीरे) विष्णु देव शर्मा,गौरव गुप्ता,आदि मौजूद रहे।

चिलुआताल थाना क्षेत्र के ग्राम परमेश्वरपुर कृतपूरा का रहने वाला युवक नाबालिक बच्ची के साथ दुष्कर्म कर हत्या करने के आरोप में गिरफ्तार

गोखरपुर। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक

जनपद गोरखपुर द्वारा महिला संबंधी अपराधों पर अंकुश लगाने एवं अपराधियों की गिरफ्तारी हेतु चलाये जा रहे अभियान के क्रम में, पुलिस अधीक्षक उत्तरी जनपद गोरखपुर के मार्गदर्शन में, क्षेत्राधिकारी कैम्पियरगंज जनपद गोरखपुर के पर्यवेक्षण में व थानाध्यक्ष संजय कुमार मिश्रा थाना चिलुआताल जनपद गोरखपुर मय पुलिस फोर्स द्वारा थाना स्थानीय पर पंजीकृत मु0अ0सं0 411ध्2023 धारा 363,302,201,376 ।ठ भा0द0सं0 व 5ङध्6 पाक्सो एक्ट व 3(2)5 एस0सी0ध्एस0टी0 एक्ट से सम्बन्धित वांछित अभियुक्त मिथलेश विश्वकर्मा उर्फ मिठाई पुत्र धुरई निवासी परमेश्वरपुर टोला कृतपुरा थाना चिलुआताल जनपद गोरखपुर को गिरफ्तार किया गया । अग्रिम विधिक कार्यवाही की जा रही है ।

घटना का संक्षिप्त विवरण–

दिनांक 05.08.2023 को अभियुक्त उपरोक्त जिला कारागार गोरखपुर से जमानत पर छूटने के उपरान्त अपने घर आया था । दिनांक 05ध्06–08.2023 की रात में वादिनी मुकदमा अपनी नाबालिग पुत्री के साथ सोई हुई थी ।

अभियुक्त उपरोक्त द्वारा वादिनी की पुत्री को उठाकर खेत में ले जाकर दुष्कर्म किया गया और उसकी हत्या कर शव को थाना चिलुआताल क्षेत्रान्तर्गत नवापार से कठऊर जाने वाले मुख्य मार्ग पर नव निर्मित मकान की बाउण्ड्री में फेक दिया था । दिनांक 06.08.2023 को वादिनी द्वारा उसकी पुत्री के गायब होने के संबंध में थाना स्थानीय पर दी गई तहरीर के आधार पर मु0अ0सं0 411ध्2023 धारा 363 भादवि0 पंजीकृत किया गया था । पोस्टमार्टम रिपोर्ट व अन्य साक्ष्य संकलन के आधार पर मुकदमा उपरोक्त में धारा 302,201,376 ।ठ भा0द0सं0 व 5ङध्6 पाक्सो एक्ट व 3(2)5 एस0सी0ध्एस0टी0 एक्ट की बढ़ोत्तरी की गई । ज्ञातव्य हो कि अभियुक्त उपरोक्त द्वारा नाबालिग से दुष्कर्म करने के सम्बन्ध में पूर्व में थाना स्थानीय पर मु0अ0सं0 791ध्2020 धारा 376 भा0द0सं0 व 5ध्6 पाक्सो एक्ट पंजीकृत किया गया था, जिसमें दिनांक 23.12.2020 को अभियुक्त मिथलेश विश्वकर्मा उर्फ मिठाई उपरोक्त गिरफ्तार होकर जिला कारागार गोरखपुर मे निरूद्ध था ।

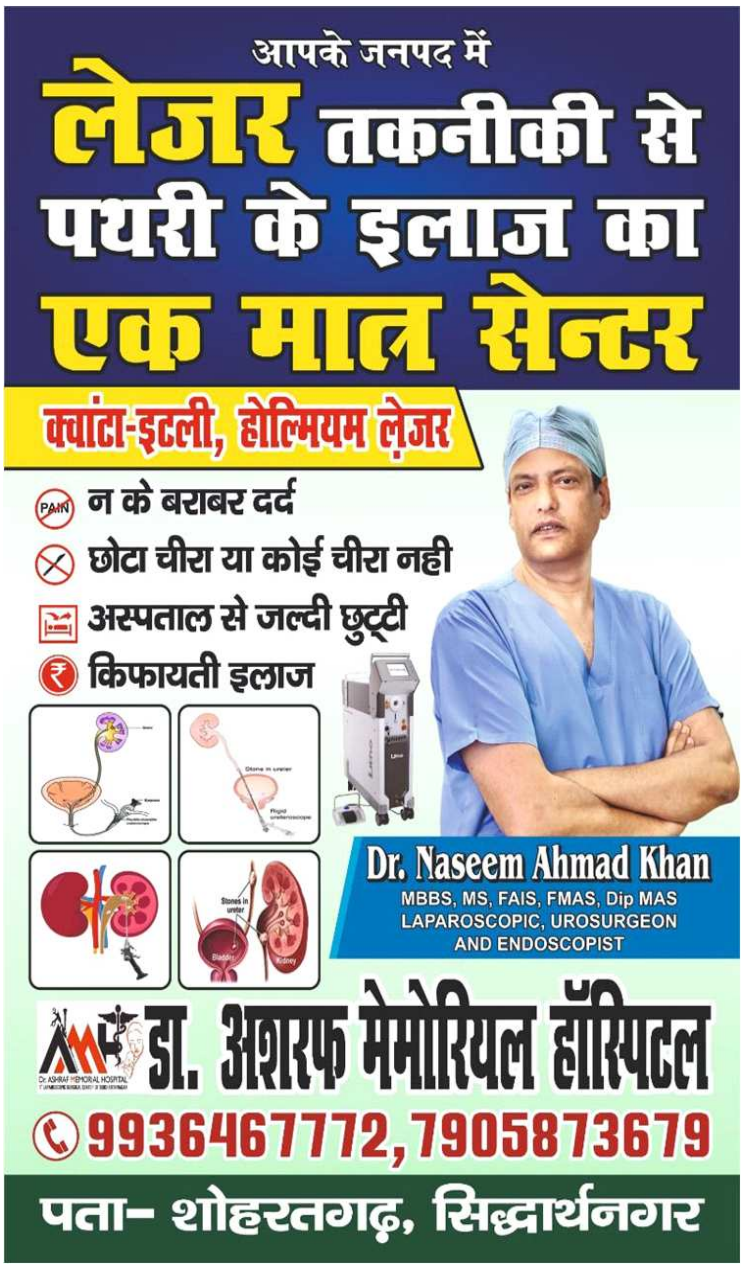

आप के विचार

भविष्य के टेक्नोलॉजी और आविष्कार पर चर्चा

आदरणीय बन्धुओं :–

देश के किसी भी व्यक्ति के कर्तव्यों का आशय उसकेध्उसकी सभी आयु वर्ग के लिये उन जिम्मेदारियों से हैं जो वो अपने देश के प्रति रखते हैं। देश के लिये अपनी जिम्मेदारियों को निभाने की याद दिलाने के लिये कोई विशेष समय नहीं होता, हांलाकि ये प्रत्येक भारतीय नागरिक का जन्मसिद्ध अधिकार हैं कि वो देश के प्रति अपने कर्तव्यों को समझे और आवश्यकता के अनुसार उनका निर्वाह या निष्पादन अपनी दैनिक दिनचर्या में शामिल करें।

भारत एक धार्मिक, सांस्कृतिक और परंपरागत देश हैं और विवधता में एकता के लिये प्रसिद्ध हैं। हांलाकि, इसे विकास के लिये स्वच्छ, भ्रष्टाचार, सामाजिक संघर्षों, महिलाओं के खिलाफ अपराधों, गरीबी, प्रदूषण, ग्लोबल वॉर्मिंग आदि के अन्त के लिये अपने नागरिकों के और अधिक प्रयासों की आवश्यकता हैं। लोगों को सरकार पर चिल्लाने और दोषी ठहराने के स्थान पर देश के प्रति अपने कर्त्तव्यों को समझना चाहिये। देश की वृद्धि एवं विकास के लिये सभी व्यक्ति व्यक्तिगत रुप से जिम्मेदार हैं। लोगों को लाओं तुज के प्रसिद्ध कथन, "हजारों कोसो की यात्रा एक कदम से शुरु होती हैं" को कभी नहीं भूलना चाहिये। सभी को अपने मौलिक कर्त्तव्यों के बारे में जानकारी रखनी चाहिये और उन्हें नजरअंदाज किये बिना अनुकरण करना चाहिये। देश के अच्छे और जिम्मेदार नागरिक होने के कारण, सभी को अपने कर्त्तव्य वफादारी से निभाने चाहिये।

सौरभ कुमार
मैनेजर सॉफ्टनिक इंडिया

अपने विचार को हमें Whatsapp पर भेजे।
Mob:- 7233999001

गैंगगेस्टर अभियुक्त के संपत्ति को नौतनवा प्रशासन ने डुग्गी बजवाकर किया कुर्क

महराजगंज/सोनौली। – प्रदेश की योगी सरकार के द्वारा अपराध एवं अपराधियों पर अंकुश लगाने के

लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत पुलिस अधीक्षक डॉक्टर कौस्तुभ के निर्देशन में नौतनवा क्षेत्राधिकारी आभा सिंह और नौतनवा एसडीएम मुकेश कुमार सिंह के नेतृत्व में सोनौली थाने में 14 (।) गिरोह बंद मुकदमा एवं असामाजिक क्रियाकलाप निवारण अधिनियम के अनुपालन में प्रशासन द्वारा बड़ी कार्रवाई के क्रम में इरफान खान,आमिर खान पुत्र नाजिर खान निवासी वार्ड नं 14 लोहिया नगर थाना सोनौली के अवैध ा तरीके से इकट्ठा किए गए खेत, घर तथा बाउंड्री को ढोल नगाड़ा बजवा कर सील करते हुए कुर्की की कार्यवाही की गई । इस कार्रवाई के दौरान बड़ी संख्या में पुलिस फोर्स मौजूद रही। नायब तहसीलदार अरविंद श्रीवास्तव, राजस्व निरीक्षक सहित सोनौली कोतवाली पहुंचे। कोतवाली में बड़ी संख्या में पुलिस फोर्स बुलाई गई तथा थानाध्यक्ष अभिषेक सिंह के नेतृत्व में पुलिस फोर्स सोनौली क्षेत्र के ग्रामसभा त्रिलोकपुर पहुंचकर तीन स्थानों पर खेत की भूमि को चिन्हित कर वहां बोर्ड बैनर लगाकर डुगडुगी बजाकर कार्रवाई की घोषणा करते हुए भूमि पर लाल झंडी लगा दिया। सुकरौली में स्थित एक बाउंड्री वाल को तथा सोनौली कस्बे में स्थित एक मकान को बैनर लगाकर एसडीएम नौतनवा की देखरेख में सील कर दिया गया। साथ ही आरोपी खेत स्वामी को बुलाकर हिदायत दी गई कि व चिन्हित भूमि पर किसी तरह का कार्य न करें।

इस संबंध में एसडीएम नौतनवा मुकेश कुमार सिंह ने बताया कि गिरोह बंद अधिनियम के तहत 2 करोड़ 25 लाख रुपए कीमत की इरफान खान तथा 55 लाख रुपए की कीमत की आमिर खान के संपत्ति को मुनादी कराकर आज कुर्क किया गया है।

Is Rahul Gandhi suggesting Army firing on civilians in Manipur: HimantaBiswaSarma

Rahul Gandhi said the 'nonsense' in Manipur can be controlled by the Indian

Army in two days. Assam chief minister HimantaBiswaSarma countered. Assam chief minister HimantaBiswaSarma on Friday said Rahul Gandhi's prescription for Manipur peace is wrong as Gandhi is suggesting Army intervention in the strife-torn northeastern state. The solution to the Manipur situation should come from the hearts and not from the bullets, Himanta said. "Indian Air Force did the same thing in Aizawl. Violence was coming down after the bombing. Today Rahul Gandhi said Indian Army should stop the violence in Manipur. That means what? They should open fire on civilians?" Himanta said."Is this his prescription? How can he say that? Army will not be able to solve anything. They will only be able to quieten for the time being, and bring temporary peace," Himanta said."They demanded that PM Modi should speak on Manipur. But when PM Modi started speaking, they walked out. They exposed their design and that their intention had nothing to do with Manipur. They just wanted to disrupt Parliament. PM Modi has spoken from his heart. He spoke about Manipur, about the northeast. We are immensely happy," Assam CM said.

Rahul Gandhi on Friday said Indian Army can stop the 'nonsense' in Manipur in two days but they are not being deployed. Explaining that he is not seeking the army's intervention, Rahul Gandhi said all that he is saying is that PM Modi and the Central government have multiple tools to contain the situation in Manipur, but they are not being utilised as PM Modi does not want Manipur situation to be better for many reasons.

Manipur is now two states, never saw something like this'

Rahul Gandhi said Manipur has been divided between the Meiteis and Kukis to such an extent that in Meitei areas no Kuki is allowed even in the security team. "When we went to a Meitei area, we were categorically told that if there is any Kuki member in our security team, they will be shot. And the situation in the Kuki area is the same. I have never seen such a situation anywhere in the country in my 19 years of political career," Rahul Gandhi said.

Government asks Indians to leave chaos-hit Niger 'as soon as possible'

Ministry of External Affairs has issued an advisory asking Indian nationals whose presence is not essential in Niger to leave the country as soon as possible, following the coup in the African nation.

MEA spokesperson ArindamBagchi said at a media briefing on Friday that the Indian government is closely monitoring the situation in Niger and also asked the people to reconsider their plans if they are travelling to Niamey.

"Government of India is closely monitoring ongoing developments in Niger. In light of the prevailing situation, Indian nationals whose presence is not essential are advised to leave the country as soon as possible. They may bear in mind that airspace is currently closed. When departing through a land border, utmost precautions may be taken to ensure safety and security. Those who may be planning travel to Niger in the coming days are also similarly advised to reconsider their travel plans until the situation normalizes," said MEA.

"All those Indian nationals who have not registered with the Indian embassy in Niamey (Niger capital) are strongly advised to do so expeditiously. Indian nationals can reach emergency contact in the embassy of India in Niamey: 22799759975", added MEA.

Responding to the question about the number of Indians stuck in Niger, Bagchi said, "About 250 Indians are there. MEA is requesting those who have not registered their names to the Indian embassy to register themselves. Indian Embassy in Niamey is in touch with the Indian communities and we have been told that they are safe."

Niger has been engulfed in political chaos since late last month when the country's President Mohamed Bazoum was ousted in a coup. Following the military coup AbdourahamaneTiani, the commander of Niger's presidential guard has declared himself the country's leader.The uncertainty has rattled residents in Niamey, the capital. Some people flocked to supermarkets to purchase staples like rice and cooking oil in bulk, while others attempted to flee. Employees of local bus companies said most lines out of the capital were fully booked, CNN reported. At the busy Wadata market, east of the capital's centre, many shoppers buying food and necessities Monday voiced apprehension about what might come.Pro-junta demonstrators, meanwhile, gathered Sunday at a 30,000-seat stadium in Niamey to voice their support for the military government and their opposition to ECOWAS sanctions, CNN reported.

Raghav Chadha suspended from Rajya Sabha for 'violation of rules'

AAP MP Raghav Chadha who was accused of not taking the consent of five Rajya Sabha MPs before including their name to a select committee has been suspended from the Upper House of Parliament on Friday — until the committee of privileges investigating the case against him submits its report. The motion of suspension was moved by PiyushGoyal who said Raghav Chadha's action was unethical. Chadha's conduct was unexpected and unbecoming of a member of Parliament, Goyal said accusing Chadha of breach of privilege.

Five Rajya Sabha MPs — S PhangnonKonyak, Narhari Amin and Sudhanshu Trivedi of BJP, M Thambidurai of AIADMK and SasmitPatra of BJD — said that their name was included without their consent in a select committee moved by Raghav Chadha in the House.

Raghav Chadha refuted the allegations and said an MP can propose the name for the formation of any committee and neither the signature nor the written consent of the person whose name is proposed is required. "Suppose I organise a birthday party and invite 10 people. Eight of them come, and two don't accept my invite. Instead, they charge me, 'how dare you invite us to your birthday?' This is what happened. I just invited them (MPs) to be part of the committee," Raghav Chadha said.

Instead of expressing remorse for his unethical conduct, Raghav Chadha in his interaction with the press outside the House ridiculed the objections raised by his fellow parliamentarians for including their names, Goyal said as he moved the motion against Chadha in the Upper House. Referring to Raghav Chadha's subsequent tweet on the issue, Goyal said it was unbecoming of a parliamentarian. Raghav Chadha went on to equate the inclusion of the names of members to a select committee with that of a birthday party, Goyal said.

"Raghav Chadha also said his colleague Sanjay Singh was suspended because of asking questions knowing fully well that Sanjay Singh was suspended because of unruly behaviour," Goyal said. On Monday, Union home minister Amit Shah alleged that Raghav Chadha forged the signatures of five MPs in the motion to send the Delhi Services Bill to a select committee. AAP countered the allegation and said there was no signature and so there was no forgery involved as no signature is required — only the names of the MPs are to be given.

Sedition under the new Bharatiya Nyaya Sanhita Bill, 2023: What's changed.

Analysis of the bill suggests that the offence of sedition has been retained under the proposed law with new nomenclature and a more expansive definition of "Acts endangering sovereignty unity and integrity of India".

Union home minister Amit Shah on Friday said in the Lok Sabha that one of the proposed legislations aimed at overhauling the criminal justice system will completely repeal the offence of sedition, as prescribed under Section 124A of the Indian Penal Code (IPC), adding the bill will be sent to a parliamentary panel for scrutiny.

An analysis of the Bharatiya Nyaya Sanhita (BNS) Bill, 2023, however, suggests that the offence of sedition has been retained under the proposed law with new nomenclature and a more expansive definition of what will constitute "Acts endangering sovereignty unity and integrity of India".

A review of the text of the 2023 bill by HT indicates that the move by the government is in line with a recommendation made by the Law Commission of India in June, with the alternative punishment for the offence being sought to be enhanced to seven years in jail from the present three under the IPC; the 2023 bill also continues to have life imprisonment as the maximum punishment.

The bill has been tabled by the Centre at a time when the Supreme Court is seized of a bunch of petitions, challenging the validity of Section 124A in the IPC.

The operation of Section 124A— a non-bailable offence punishable with jail term ranging up to life, and one that activists and jurists have alleged is often misused to muzzle dissent — is currently on hold due to a continuing interim order of the top court passed on May 11, 2022.

A key change in the proposed draft Section 150 of the BNS bill is the removal of a provision, which allowed a person convicted of sedition to get away only with a fine: Section 150 of the bill prescribes imprisonment for life or with imprisonment which may extend to seven years, in addition to fine, as punishment. Section 150 reads as: "Whoever, purposely or knowingly, by words, either spoken or written, or by signs, or by visible representation, or by electronic communication or by use of financial means, or otherwise, excites or attempts to excite, secession or armed rebellion or subversive activities, or encourages feelings of separatist activities or endangers sovereignty or unity and integrity of India; or indulges in or commits any such act shall be punished with imprisonment for life or with imprisonment which may extend to seven years and shall also be liable to fine."

Here's comparison with Section 124A of IPC , which reads: "Whoever by words, either spoken or written, or by signs, or by visible representation, or otherwise, brings or attempts to bring into hatred or contempt, or excites or attempts to excite disaffection towards, the Government established by law in India, shall be punished with imprisonment for life, to which fine may be added, or with imprisonment which may extend to three years, to which fine may be added, or with fine."

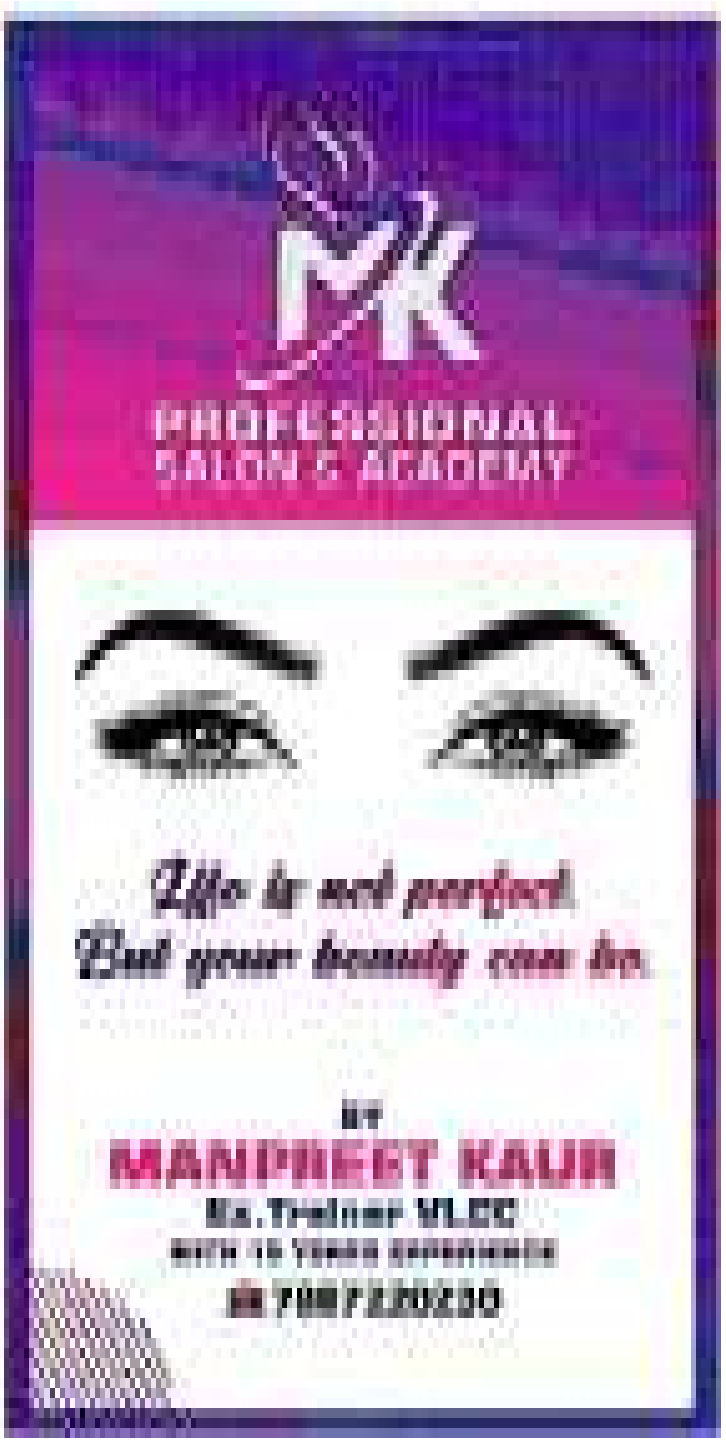

Independence Day 2023: 5 best ways to teach kids about the importance of I-Day celebration

Celebrate this Independence Day by instilling a sense of patriotism and historical awareness in children through these fun and creative activities.

Independence Day is just around the corner, and we can't contain our excitement! India will celebrate its7 77th

Independence Day on August 15 this year with much fervour and passion. This day is extremely important in the history of India since it marked the end of nearly 200 years of British rule and the beginning of a period of independence. India as a whole celebrates Independence Day with great patriotism. In addition to taking part in cultural events, parades, and other activities that highlight the diversity and solidarity of the nation, people dress in the saffron, white, and green hues of the Indian flag.

Introducing children to the significance of Independence Day can be a wonderful opportunity to instil a sense of patriotism and historical awareness from a young age. By explaining the significance of this day, we may help kids comprehend the price paid for freedom and the ideals that guide our countries.

1. Storytelling

Children adore stories, and there are many that have been written about the Indian Independence movement and freedom struggle. You can organise a reading event in your home or community where members of different families could read stories about the sacrifices and contributions of the freedom fighters. This will foster a sense of patriotism in children as well as a special bond with family and neighbours. This can engage children and make history more relatable.

2. Watch patriotic movies together

Who doesn't love to watch movies? Independence Day is the ideal time to gather your loved ones and watch your favourite patriotic films. Showing patriotic movies to your children will help them understand Independence Day better, as movies have a powerful influence on people. Films like Gandhi, The Legend of Bhagat Singh, Shaheed, Mangal Pandey - The Rising, etc. can be watched.

3. Visit historical sites

Nothing tells us more about our history than the places themselves. There are several historical landmarks and monuments associated with the Indian independence struggle, including the Red Fort, JallianwalaBagh, Gandhi Ashram and others. A trip to these places will not only be a great idea to teach your children about the struggle for independence but also a great opportunity to strengthen family ties. Your child will learn a lot on this educational and enjoyable family holiday.

4. Flag hoisting

One of the most important activities to mark Independence Day is flag hoisting. If possible, involve children in hoisting ceremonies in your community, home or school. Explain the protocol and significance of the act. You can also get your child involved in arts and crafts and encourage them to make their own flag and host it together in your home. Sounds fun right?

5. Sing patriotic songs and poems

Most of us wake up to the patriotic tunes of Ae Mere WatanKe Logon or Mere Desh Ki Dharti on the morning of 15 August. What could be more fun than organising a patriotic karaoke at home with friends and relatives? You can also turn it into a game of Antakshari by including only patriotic songs. Along with this, make your child understand the lyrics and the real meaning behind each song.

हार्दिक का क्या होगा दांव? पॉवेल चल सकते हैं खास चालय जानें दोनों टीमों की संभावित प्लेइंग इलेवन

भारत और वेस्टइंडीज के बीच चौथा टी–20 (छक्‍ ॲ`ए 4जी ‍उ20) मैच शनिवार 12 अगस्त को अमेरिका के फ्लोरिडा क्रिकेट स्टेडियम में खेला जाएगा। शुरुआती दो मुकाबले गंवाने के बाद तीसरा टी–20 मैच जीतकर भारत ने सीरीज में वापसी की है। अब उसे वेस्टइंडीज के विरुद्ध लगातार छठी सीरीज जीतने के लिए अगले दोनों मैच जीतने होंगे। फिलहाल वेस्टइंडीज 2–1 से आगे है।

भारत और वेस्टइंडीज के बीच पांच मैचों की सीरीज के आखिरी दो मैच अमेरिका के फ्लोरिडा में खेले जाएंगे। चौथा टी–20 (छक्‍ ॲ`ए 4जी ‍उ20) मैच शनिवार को अमेरिका के फ्लोरिडा क्रिकेट स्टेडियम में खेला जाएगा। शुरुआती दो मुकाबले गंवाने के बाद तीसरा टी–20 मैच जीतकर भारत ने सीरीज में वापसी की है। अब उसे वेस्टइंडीज के विरुद्ध लगातार छठी सीरीज जीतने के लिए अगले दोनों मैच जीतने होंगे।

इंडिया और वेस्टइंडीज के बीच खेले गए तीसरे टी–20 मैच में सूर्यकुमार (ैनतलांनउंत ल्‍कंअ) के बल्ले से रन निकले। सूर्यकुमार यादव 83 रन की ताबड़तोड़ पारी खेली थी। वहीं, पिछले दो मैच की फॉर्म बरकरार रखते हुए तिलक वर्मा (ज्पसां टंतउं) ने नाबाद 49 रन की पारी खेली। तीसरे मैच में यशस्वी जायसवाल ने डेब्यू किया, लेकिन वह टेस्ट वाली फॉर्म यहां जारी नहीं रख सके और मात्र 1 रन बनाकर आउट हो गए।

स्पिनर्स ने छोड़ा है प्रभाव

गेंदबाजी की बात करें तो अभी तक स्पिनरों ने अपना प्रभाव छोड़ा है। तीसरे मैच में कुलदीप यादव ने अपनी स्पिन की धुन पर कैरेबियाई बल्लेबाजों को नाच नचाया। कुलदीप ने ब्रैंडन किंग, जेसन चार्ल्स और निकोलस पूरन के विकेट चटकाए। इससे वेस्टइंडीज बड़ा स्कोर नहीं बना सकी। अगर बात करें वेस्टइंडीज की तो वह वापसी करना जानती है।

वापसी कर सकती है वेस्टइंडीज

टेस्ट और वनडे सीरीज गंवाने के बाद वेस्टइंडीज ने टी–20 सीरीज में अभी तक बेहतरीन खेल दिखाया। पहले दो मैच जीतकर 2–1 की बढ़त हासिल कर रखी है। टी–20 खेलकर वापस आए निकोलस पूरन के बल्ले से लगातार रन निकल रहे हैं। वहीं, कप्तान रोवमेन पॉवेल भी मध्यक्रम में रन बना रहे हैं। आखिरी के ओवरों में जेसन होल्डर, रोमारियो शेफर्ड भी तेजी से रन बनाने में सक्षम हैं।

भारत और वेस्टइंडीज की संभावित प्लेइंग इलेवन

भारतः ईशान किशन, यशस्वी जायसवाल, सूर्यकुमार यादव, तिलक वर्मा, हार्दिक पांड्या (कप्तान), संजू सैमसन, अक्षर पटेल, कुलदीप यादव, अर्शदीप सिंह, युजवेंद्र चहल, मुकेश कुमार वेस्टइंडीजः ब्रैंडन किंग, काइल मेयर्स, जेसन चार्ल्स, निकोलस पूरन (विकेटकीपर), रोवमेन पॉवेल (कप्तान), शिमरोन हेटमायर, रोमारियो शेफर्ड, रोस्टन चेज, अकील हुसैन, अल्जारी जोसेफ, ओवेड मेकोय

छलका शिखर धवन का दर्द

भारतीय टीम के अनुभवी सलामी बल्लेबाज शिखर धवन को एशियन गेम्स के लिए टीम में शामिल नहीं किया गया है। टीम में खुद के शामिल नहीं होने के बाद पहली बार धवन ने अपनी चुप्पी तोड़ी है। उन्होंने न्यूज

एजेंसी पीटीआई से बातचीत कर ये बताया है कि टीम में खुद का नहीं देखकर वह थोड़े हैरान थे। आइए जानते हैं साथ ही धवन ने क्या कहा? भारतीय टीम के अनुभवी सलामी बल्लेबाज शिखर धवन को एशियन गेम्स के लिए टीम में शामिल नहीं किया गया है। टीम में खुद के शामिल नहीं होने के बाद पहली बार धवन ने अपनी चुप्पी तोड़ी है। उन्होंने न्यूज एजेंसी पीटीआई से बातचीत कर ये बताया है कि टीम में खुद का नहीं देखकर वह थोड़े हैरान थे। इसके साथ ही धवन ने अपने भविष्य को लेकर अपनी प्लानिंग के बारे में भी बातचीत की है। आइए जानते हैं एशियन गेम्स में जगह नहीं मिलने के बाद धवन ने क्या कहा? दरअसल, बीसीसीआई ने सितंबर–अक्टूबर में होने वाले एशियाई खेलों के लिए युवाओं की टीम घोषित कर दी है, जिसमें 37 साल के बाएं हाथ के बल्लेबाज शिखर धवन को जगह नहीं मिली है। हालांकि, इस एलान से पहले ये उम्मीद की जा रही थी कि एशियाड के लिए टीम की अगुआई शिखर धवन को दी जाएगी, क्योंकि वह 10 महीने पहले तक ये भूमिका निभा रहे थे, लेकिन चयनकर्ताओं ने उन्हें इस बार नहीं चुना और रुतुराज गायकवाड़ को कप्तान बनाया। धवन ने एशियन गेम्स की टीम में मौका नहीं मिलने के बाद पहली बार चुप्पी तोड़ी है। गुरुवार को पीटीआई से बातचीत करते हुए धवन ने कहा कि जब मेरा नाम एशियाई खेलों के लिए टीम में नहीं था, मैं थोड़ा हैरान था, लेकिन फिर मुझे लगा कि उनकी सोचने की प्रक्रिया अलग होगी, आपको इसे स्वीकार करना होगा। मैं खुश हूं कि रुतुराज टीम की अगुआई करेगा। इसमें सभी युवा खिलाड़ी हैं, मुझे पूर भरोसा हे कि वे अच्छा करेंगे।

इसके साथ ही धवन से जब भविष्य को लेकर सवाल किया गया तो उन्होंने कहा कि उन्हें नहीं पता कि भविष्य में क्या होगा, लेकिन अगर कोई मौका मिलता है तो वह इसके लिए हमेशा तैयार है। धवन ने कहा,।

रानी रामपाल ने टीम से बाहर होने पर विदेशी कोच से मांगा जवाब, कहा- मेरे साथ सही बर्ताव नहीं हुआ

हॉकी इंडिया के अध्यक्ष दिलीप टिर्की ने रानी के आरोपों पर कहा कि वह रानी से सहानुभूति रखते हैं, लेकिन चयन के मामलों में वह हस्तक्षेप नहीं करते हैं। हमने रानी के टीम से बाहर होने के बारे में चयनकर्ताओं और राष्ट्रीय कोच से बात की। टोक्यो ओलंपिक में चौथे स्थान पर रहने वाली महिला हॉकी टीम की कप्तान रानी रामपाल ने विदेशी कोच यानिके शॉपमेन के खिलाफ अपनी नाराजगी जताई है। भारतीय अंडर–17 महिला टीम का प्रशिक्षक नियुक्त किए जाने के बाद रानी ने गुरुवार को कहा कि टोक्यो ओलंपिक के बाद उनके साथ सही बर्ताव नहीं किया गया। वह राष्ट्रीय टीम से क्यों बाहर की गई हैं, इसका जवाब शॉपमेन से मांगा जाना चाहिए। 28 वर्षीय रानी ने यह भी स्पष्ट किया कि फिलहाल उनका संन्यास लेने का कोई इरादा नहीं है। उनमें अभी भारतीय टीम में वापसी करने का माद्दा है। रानी ने कहा कि ओलंपिक के बाद उनकी सर्जरी हुई। इसके बाद उन्होंने गुजरात राष्ट्रीय खेल में हरियाणा की कप्तानी की और 18 गोल किए। बावजूद इसके उन्हें राष्ट्रीय टीम में जगह नहीं दी गई। उनके साथ सही नहीं किया गया। इसका जवाब केवल विदेशी कोच ही दे सकती हैं। इतना सब होने के बावजूद वह टूटी नहीं हैं। अगर ऐसा होता तो वह टोक्यो ओलंपिक के बाद ही संन्यास की घोषणा कर देतीं।

चयन में हस्तक्षेप नहीं करतेरू टिर्की

हॉकी इंडिया के अध्यक्ष दिलीप टिर्की ने रानी के आरोपों पर कहा कि वह रानी से सहानुभूति रखते हैं, लेकिन चयन के मामलों में वह हस्तक्षेप नहीं करते हैं। हमने रानी के टीम से बाहर होने के बारे में चयनकर्ताओं और राष्ट्रीय कोच से बात की। हमनें रानी से भी इस बारे में बात की, लेकिन हम चयन में हस्तक्षेप नहीं कर सकते। यह अधिकार चयनकर्ताओं और कोच का है।

अंडर–17 टीम के कोच बनें सरदार, रानी

हॉकी इंडिया ने पुरुष और महिलाओं की अंडर–17 टीम तैयार करने की घोषणा की। दिलीप टिर्की ने पुरुष अंडर–17 टीम का प्रशिक्षक पूर्व कप्तान सरदार सिंह और महिला टीम का प्रशिक्षक रानी रामपाल को नियुक्त किया है।

ओटीटी पर रिलीज हुई प्रभास और कृति सेनन की (आदिपुरुष), दो अलग-अलग प्लेटफॉर्म पर होगी स्ट्रीम

खास बात यह है कि इस फिल्म को ओटीटी प्लेटफॉर्म पर रिलीज कर दिया गया है। फिल्म को एक साथ दो अलग– अलग ओटीटी प्लेटफॉर्म पर स्ट्रीम किया गया है। खास बात यह है कि इस फिल्म को ओटीटी प्लेटफॉर्म पर रिलीज कर दिया गया है। फिल्म को एक साथ दो अलग– अलग ओटीटी प्लेटफॉर्म पर स्ट्रीम किया गया है। अब देखना बता दें कि 'आदिपुरुष' के मलयालम, तेलुगु, तमिल और कन्नड़ वर्जन को अमेजन प्राइम वीडियो पर स्ट्रीम किया गया है, जबकि 'आदिपुरुष' के हिंदी वर्जन को नेटफ्लिक्स पर रिलीज किया गया है। अलग–अलग भाषी दर्शकों के लिए यह खास इंतजाम किया गया है।

अब देखना है कि फिल्म को सिनेमाघरों के बाद ओटीटी पर प्यार मिलता है कि नहीं।

साउथ के दिग्गज स्टार प्रभास और कृति सेनन की फिल्म श्आदिपुरुषश 16 जून को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। तमाम विवादों के बीच दर्शकों को इस फिल्म ने निराश किया। 600 करोड़ में बनी इस फिल्म ने अपनी लागत की आधा भी वसूलने में कामयाब नहीं हुई। फिल्म में दिखाए किरदार और डायलॉग्स विवाद का कारण बने। फिल्म बम्पर ओपनिंग तो मिली लेकिन फिल्म धीरे धीरे नीचे गिरती गई। अब इस फिल्म को गुपचुप तरीके से ओटीटी प्लेटफॉर्म पर रिलीज कर दिया गया है। तो चलिए जानते हैं कि फिल्म कहां रिलीज की गई है।

ओटीटी पर रिलीज की गई प्रभास की आदिपुरुष

'आदिपुरुष' फिल्म को रिलीज के बाद से ही तमाम विवादों के साथ–साथ कानूनी पचड़ों का भी सामना करना पड़ा था। फिल्म को उसकी भाषा और वीएफएक्स के लिए बुरी तरह ट्रोलिंग झेलनी पड़ी थी। है कि फिल्म को सिनेमाघरों के बाद ओटीटी पर प्यार मिलता है कि नहीं।

दो–दो ओटीटी प्लेटफॉर्म पर हुई स्ट्रीमॉ

सिनेमाघरों में रिलीज करने से पहले फिल्म 'आदिपुरुष' का जितना जोरों–शोरों से प्रमोशन किया गया था। ओटीटी पर इसे उतने ही गुपचुप तरीके से रिलीज किया गया है। हालांकि, इसके पीछे का कारण यह हो सकता है कि मेकर्स दोबारा से किसी नए विवाद में नहीं पड़ना चाहते हो।

यह कलाकार आए थे नजर

आपको बता दें कि श्आदिपुरुषश में प्रभास के अलावा कृति सेनन, सैफ अली खान, सनी सिंह और देवदत्त नागे अहम भूमिकाओं में हैं। इस फिल्म में प्रभास ने भगवान श्रीराम और कृति सेनन ने माता सीता का रोल निभाया है। फिल्म का निर्देशन ओम राउत ने किया है।

20 साल बाद (तारा सिंह) ने फिर में मचाया गदर, थिएटर में लगे हिंदुस्तान जिंदाबाद के नारे

बॉलीवुड एक्टर सनी देओल और अमीषा पटेल काफी समय से अपनी फिल्म श्गदर 2श को लेकर चर्चा में बने हुए थे। 20 साल सिल्वर स्क्रीन पर इसकी जोड़ी एक बार फिर देखने के लिए फैंस लंबे समय से इंतजार कर रहे थे। आखिरकार, उनका यह इंतजार सफल रहा और आज यानी 11 अगस्त को सनी देओल और अमीषा पटेल स्टारर फिल्म गदर 2 सिनेमाघरों में रिलीज हो गई है। सुबह से ही फिल्म के शोज हाउसफुल चल रहे हैं। तारा सिंह और सकीना की आइकॉनिक जोड़ी दर्शकों को काफी पसंद आ रही है।

बॉलीवुड एक्टर सनी देओल और अमीषा पटेल काफी समय से अपनी फिल्म श्गदर 2श को लेकर चर्चा में बने हुए थे। 20 साल सिल्वर स्क्रीन पर इसकी जोड़ी एक बार फिर देखने के लिए फैंस लंबे समय से इंतजार कर रहे थे। आखिरकार, उनका यह इंतजार सफल रहा और आज यानी 11 अगस्त को सनी देओल और अमीषा पटेल स्टारर फिल्म गदर 2 सिनेमाघरों में रिलीज हो गई है। सुबह से ही फिल्म के शोज हाउसफुल चल रहे हैं। तारा सिंह और सकीना की आइकॉनिक जोड़ी दर्शकों को काफी पसंद आ रही है।

वहीं, इस फिल्म को लेकर ट्विटर पर लोगों ने अपनी प्रतिक्रिया जाहिर की है। एक ट्विटर यूजर ने लिखा, श्श वाह क्या डायलॉग हैं, एक के बाद एक डायलॉग सनी देओल क्या वापसी कर रहे हैं दोस्तों इस फिल्म को मिस न करें।श्श वहीं, फिल्म को लेकर दूसरे यूजर ने लिखा, श्श सनी पाजी ऑन फायर।ष एक अन्य यूजर ने लिखा, श्श्रुव्डळ2 देखने वालो पहले ओएमजी ही दे लो, कहीं गदर देख लिया पहले तो सब भूल जाओगे...गदर चलेगा गदर।श्श

वहीं, कुछ यूजर ने तारा सिंह की श्गदर 2श की तुलना अक्षय कुमार की ओएमजी 2 से करते हुए लिखा,श्श जैसा कि पहले अनुमान लगाया गया था...रुव्डळ2 रुळंकंत2 की कहानी से कहीं बेहतर है.. मेरा विश्वास है कि स्वतंत्रता दिवस के बाद रुळंकंत2 में बड़ी गिरावट देखने को मिलेगी और रुव्डळ2 की कमाई में इजाफा होगा।श्श

बता दें कि श्गदर 2श को अनिल शर्मा ने डायरेक्ट किया है। 22 साल पहले उन्होंने श्गदररू एक प्रेम कथाश के रूप में सिनेमा पेश किया था, वैसा श्गदर 2श से नहीं कर पाए हैं। श्गदरश के प्रभाव का ही नतीजा रहा कि एडवांस बुकिंग में श्गदर 2श ने बुधवार तक देशभर में 3,91,975 टिकटों की बिक्री हुई है। इस फिल्म को दर्शकों का अच्छा रिस्पॉन्स मिल रहा है।

टीवी की दुनिया से ज्यादा यूटयूब पर नजर आते हैं ये सितारे, लाखों में है फॉलोअर्स की संख्या

अभिनय की दुनिया में काम करने वाले सितारे अपना काफी समय सोशल मीडिया की दुनिया को देते हैं। वह अपनी जिंदगी से जुड़ी बातों को अपने फैंस से शेयर करना पसंद करते हैं। टीवी जगत के कई ऐसे सितारे हैं जो छोटे पर्दे पर कम और सोशल मीडिया की दुनिया में ज्यादा नजर आते हैं। ये यूट्यूब पर काफी एक्टिव रहते हैं। आज हम आपको टीवी के ऐसे ही कलाकारों के बारे में बताने जा रहे हैं जो टीवी शोज से ज्यादा यूट्यूब पर दिखाई देते हैं। इन्होंने अपना चौनल भी बना रखा है। जिसकी मदद से ये फैंस से जुड़े रहते हैं। आइए जानते हैं इस लिस्ट में किस–किसका नाम शामिल है। तो चलिए शुरू करते हैं...

जैस्मिन भसीन और अली गोनी ने एक साथ अपना यूट्यूब चौनल बनाया है। इस चौनल पर दोनों एक–दूसरे के साथ चौलेंज करते हुए कई वीडियोज बनाते हैं। दोनों को जोड़ी को फैंस काफी पसंद करते हैं और उन्हें जैसली कहकर बुलाते हैं। ऐसे में उन्होंने इसे ही अपने चौनल का नाम रखा है।

जन्नत जुबैर ने चाइल्ड आर्टिस्ट के तौर पर टीवी से शुरुआत की थी। पिछले कुछ वर्षों से उन्होंने डेली सोप से दूरी बना ली है और वह म्यूजिक वीडियोज में नजर आती हैं। हाल ही में वह खतरों के खिलाड़ी में नजर आई थीं, लेकिन वह कोई सीरियल नहीं कर रही हैं। जन्नत का भी यूट्यूब पर चौनल है।

शासन से मिले 400 करोड़, अब धारातल पर दिखेगी योजना

नया गोरखपुर । के लिए शहर के उत्तर पूर्व और पूर्वी क्षेत्र के 24 गांवों की छह हजार एकड़ जमीन शासन ने चिह्नित की है। पहली किस्त आने के बाद से जीडीए की ओर से जमीन अधिग्रहण की तैयारी तेज की जाएगी। नया गोरखपुर में हर तरह की सुविधाएं होंगी।

गोरखपुर शहर के उत्तरी और उत्तरी पूर्वी छोर (पिपराइच–मानीराम) में करीब 6000 एकड़ में मॉडल सैटेलाइट सिटी के रूप में नया गोरखपुर बसाने की परियोजना अब धरातल पर उतरेगी। शासन ने इसके लिए पहली किस्त के रूप में 400 करोड़ रुपये जारी कर दिए हैं। इस रकम से जमीन अधिग्रहण करने के लिए मुआवजे की राशि दी जाएगी। छह हजार एकड़ की इस परियोजना पर करीब 17 हजार करोड़ रुपये से अधिक खर्च होने का अनुमान है।

मुख्यमंत्री शहरी विस्तारीकरण एवं नए शहर प्रोत्साहन योजना के तहत प्रथम चरण में सात विकास प्राधिकरणों के लिए एक हजार करोड़ रुपये की स्वीकृति शासन ने दी है। इनमें सबसे अधिक 400 करोड़ रुपये गोरखपुर विकास प्राधिकरण (जीडीए) को मिले हैं। मुख्यमंत्री ने इस योजना के लिए तीन हजार करोड़ की स्वीकृति पहले ही दे दी है। अब पहली किस्त जारी हुई है। इसके तहत करीब पांच लाख लोगों को बसाने की तैयारी है।

नया गोरखपुर के लिए शहर के उत्तर पूर्व और पूर्वी क्षेत्र के 24 गांवों की छह हजार एकड़ जमीन शासन ने चिह्नित की है। पहली किस्त आने के बाद से जीडीए की ओर से जमीन अधिग्रहण की तैयारी तेज की जाएगी। नया गोरखपुर में हर तरह की सुविधाएं होंगी। शिक्षा, रोजगार, स्वास्थ्य, सीवेज, जल निकासी का बेहतर इंतजाम किया जाएगा।

जीडीए उपाध्यक्ष महेंद्र सिंह तंवर ने बताया कि 400 करोड़ रुपये जारी हो गए हैं। जल्द ही जमीन अधिग्रहण की प्रक्रिया शुरू होगी।

मछुआरे के जाल में फंसी युवती की लाश, शिनाख्त की कोशिश जारी

गोरखपुर। मछुवारे मछली मारने गए थे। उसी दौरान जाल में युवती की लाश फंस गई। जाल में वजन महसूस होने पर मछुआरे ने शव को बाहर निकाला। युवती का शव देखकर घबरा गए। देखते ही देखते ग्रामीणों की भीड़ जुट गई।

गोरखपुर जिले में चिलुआताल इलाके के मीरपुर गांव के पास राप्ती नदी के जुड़े ताल में बुधवार की सुबह मछुवारे के जाल में एक युवती की लाश फंस गई। इसके बाद पुलिस को सूचना दी गई। पुलिस ने शव के शिनाख्त करानेकी कोशिश की, लेकिन कामयाबी नहीं मिली। वर्तमान में नदी का पानी बढ़ा है। आशंका है कि शव बहकर आया होगा। फिलहाल, मौत की वजह जानने के लिए पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

जानकारी के मुताबिक, बुधवार का मछुवारे मछली मारने गए थे। उसी दौरान जाल में युवती की लाश फंस गई। जाल में वजन महसूस होने पर मछुआरे ने शव को बाहर निकाला। युवती का शव देखकर घबरा गए। देखते ही देखते ग्रामीणों की भीड़ जुट गई।

पुलिस के अनुसार, युवती का रंग गोरा है, उम्र करीब 23 वर्ष है। शरीर पर काले रंग की कढ़ाई वाली कुर्ती, पीले रंग का पजामा है। बाएं हाथ पर तीन स्टार व चार बिंदी का टैटू है। शरीर पर गंभीर चोट के निशान नहीं दिख रहे हैं।

पूर्व सांसद फूलन देवी की जयंती पर समाजवादी पार्टी ने पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी

गोरखपुर। सामाजिक न्याय की प्रतीक, समाजवादी पार्टी की पूर्व सांसद फूलन देवी की जयंती पार्टी के बेतियाहाता स्थित कार्यालय पर तथा ग्रामीण विधानसभा के जंगल रामगढ़ ऊर्फ रजही में मनाई गई नेताओं कार्यकर्ताओं ने उनके चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी तथा उनके व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर प्रकाश डाला जिलाध्यक्ष ब्रजेश कुमार गौतम ने कहा कि क्रांतिकारी ग्रामीण महिला फूलन देवी गरीबों के मसीहा थी उनको शारीरिक व मानसिक यातनाएं दी गई थी फूलन देवी ने अपराधियों के खिलाफ लड़ाई लड़ी सार्वजनिक जीवन में ऊंचाइयों को छुआ और संसद तक पहुंची सपा ने हमेशा सामाजिक तथा आर्थिक रूप से पिछड़ों का समर्थन किया है पार्टी ने अनुसूचित जाति अनुसूचित जनजाति और अन्य पिछड़ी जातियों सहित उन सभी की मदद किया है जिन्होंने सामाजिक अत्याचारों का सामना किया है इस दौरान प्रमुख रूप से ब्रजेश कुमार गौतम रामनाथ यादव नगीना प्रसाद साहनी रामभुआल निषाद सुरेंद्र निषाद दयाशंकर निषाद अखिलेश यादव संजय पहलवान श्याम देव निषाद रणजीत पासवान मैंना भाई अर्जुन यादव महेंद्र निषाद अनूप यादव इंद्रदेव पासवान उर्मिला देवी प्रदीप यादव बृजनाथ मौर्य श्याम यादव भृगुनाथ निषाद धनंजय सर्वेश हरेंद्र गुलाम अहमद मकसूदन मौर्या उमेश निषाद रामसहाय गौड़ इंद्रजीत सिंह पप्पू निषाद हामिद अंसारी अविनाश तिवारी अभिषेक निषाद विक्की निषाद मनोज निषाद गंगासागर निषाद जाहिद हुसैन रवि यादव आदि मौजूद रहे।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक शक्ति शंकर द्वारा फाईन आफसेट प्रिंटर्स मदरसा हुसैनिया बिल्डिंग, बक्शीपुर, जनपद – गोरखपुर से मुद्रित कराकर, मुहल्ला –द्वितीय तल, पुष्पांजलि काम्पलेक्स शाही मार्केट, गोलघर,जनपद–गोरखपुर से प्रकाशित।

सम्पादक

शक्ति शंकर

मो0 :- (+91) 7233999001